हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 319 : जौनपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

मोदी बोले, बिंदेश्वर पाठक ने स्वच्छ भारत मिशन को पहुंचाया ऊंचाई पर, हमेशा याद रहेगा उनका सहयोग

एजेन्सी

नयी दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता पर महात्मा गांधी के विचारों का संस्थागत समाधान देने में ''बड़ा योगदान देने के लिए 'सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर पाठक की रविवार को सराहना की। सामाजिक कार्यकर्ता पाठक का पिछले मंगलवार को यहां एम्स में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया था। वह 80 साल के थे। उन्होंने देश में सार्वजनिक शौचालय बनाने के लिए काफी काम किया था। पीएम मोदी ने पाठक पर एक हिंदी दैनिक में लिखे लेख में कहा कि वह स्वच्छता को लेकर पाठक का जज्बा तब से देखते रहे हैं जब वह गुजरात में थे। प्रधानमंत्री ने कहा, "15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के बीच इस खबर को आत्मसात कर पाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था कि बिंदेश्वर जी हमारे बीच नहीं रहे। सहज, सरल, विनम्र व्यक्तित्व के धनी सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिंदेश्वर जी का जाना एक अपूरणीय क्षति है।"

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को पाठक के जीवन से श्रम की गरिमा सीखनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, "उनके लिए कोई काम छोटा न था और न ही उनके लिए कोई व्यक्ति छोटा था। साफ–सफाई के काम में जुटे हमारे भाई–बहनों को गरिमामय जीवन दिलाने के लिए उनके प्रयास की दुनिया भर में प्रशंसा हुई है। मुझे याद है कि जब मैंने साफ–सफाई करने वाले भाई–बहनों के पैर धोए थे तो बिंदेश्वर जी इतना भावुक हो गए थे कि उन्होंने मुझसे काफी देर तक उस प्रसंग की चर्चा की थी।" पीएम मोदी ने कहा, "मुझे संतोष है कि स्वच्छ भारत अभियान आज गरीबों के लिए गरिमामय जीवन का प्रतीक बन गया है। ऐसी भी रिपोर्ट हैं, जिनसे यह साबित हुआ है कि स्वच्छ भारत अभियान के कारण आम लोगों को गंदगी से होने वाली बीमारियों से मुक्ति मिल रही है और स्वस्थ जीवन के रास्ते खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन की वजह से तीन लाख लोगों की मृत्यु होने से रुकी है। पीएम मोदी ने कहा, "इतना ही नहीं, यूनिसेफ ने यह तक कहा है कि स्वच्छ भारत मिशन की वजह से गरीबों के हर साल 50 हजार रुपए तक बच रहे हैं। अगर स्वच्छ भारत मिशन नहीं होता, तो इतने ही रुपए गरीबों को गंदगी से होने वाली बीमारियों के इलाज में खर्च करने पड़ते। स्वच्छ भारत मिशन को इस ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए बिंदेश्वर जी का मार्गदर्शन बहुत ही उपयोगी रहा।" पीएम मोदी ने कहा, "स्वच्छ भारत से स्वस्थ भारत, स्वस्थ भारत से समरस भारत, समरस भारत से सशक्त भारत, सशक्त भारत से समृद्ध भारत की यह यात्रा, अमृतकाल की सबसे जीवंत यात्रा होगी। हां, इस यात्रा में मुझे बिंदेश्वर जी की कमी महसूस होगी। उन्हें एक बार फिर विनम्र श्रद्धांजलि।" अपना लेख सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य रहा है कि स्वच्छता के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले डॉ. बिंदेश्वर पाठक के जीवन और मिशन को मुझे बहुत करीब से जानने का अवसर मिला। 'सुलभ इंटरनेशनल एक सामाजिक सेवा संगठन है जो मानव अधिकारों, पर्यावरण स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन तथा शिक्षा के माध्यम से सुधारों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

कांग्रेस में हिम्मत है तो 50 साल का रिपोर्ट कार्ड दे : अमित शाह

एजेन्सी

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राज्य सरकार के 20 साल का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए कांग्रेस को चुनौती दी कि अगर उसमें हिम्मत हो तो वह अपने 50 साल का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच जारी करे। राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित गरीब कल्याण महा अभियान रिपोर्ट कार्ड 2003–2023 जारी करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बीते 20 साल में मध्य प्रदेश की तस्वीर बदली है। मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था, जिसे देश के सबसे विकसित राज्य बनाने का प्रयास किया। अमित शाह ने कांग्रेस काल के 24 घोटालों का सिलसिलेवार जिक्र किया और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को बंटाधार कहकर कमलनाथ पर हमले बोले। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस में हिम्मत है तो अपने 50 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर आए। उन्होंने कहा, कांग्रेस के लोगों से पूछना चाहता हूं कि आपने मध्य प्रदेश के साथ कितना न्याय किया, इसका हिसाब दीजिए और आंकड़े लेकर नौ करोड़ जनता के सामने आइए। केंद्र में जब 2004 से 14 के बीच सोनिया–मनमोहन की सरकार थी, तब मध्य प्रदेश को 1 लाख 58000 करोड रुपए 10 साल में दिए, वहीं मोदी सरकार ने नौ साल में आठ करोड़ 30 लाख करोड रुपए मध्य प्रदेश को देने का काम किया है। कांग्रेस पर उन्होंने हमला करते हुए कहा कि बंटाधार और कमलनाथ इधर–उधर की बात नहीं कीजिए, मध्य प्रदेश का काफिला क्यों लुटा, इसका जवाब जरूर दीजिए, यह कांग्रेस के काल में लुटा है।

श्रद्धालुओं की संख्या में आई कमी, रोकी गई अमरनाथ यात्रा...23 अगस्त से रहेगी निलंबित

एजेन्सी

जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय क्षेत्र में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा श्रद्धालुओं की कम संख्या और रास्ते की मरम्मत के कार्यों को देखते हुए 23 अगस्त से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। इस संबंध में एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि भगवान शिव के पवित्र दंड 'छड़ी मुबारक को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से ले जाया जाएगा और इसके साथ ही 31 अगस्त को यह तीर्थयात्रा संपन्न हो जाएगी। गत 1 जुलाई को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 4.4 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग के जरिए बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। प्रवक्ता ने श्राइन बोर्ड प्राधिकारियों के हवाले से कहा, "तीर्थयात्रियों की संख्या में भारी गिरावट आने और सीमा सड़क संगठन द्वारा संवदेनशील मार्गों पर किए जा रहे मरम्मत एवं देखरेख के काम को देखते हुए श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा तक जाने वाले दोनों मार्गों पर आवाजाही न करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा, "अतः यात्रा 23 अगस्त से दोनों मार्गों से अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। छड़ी मुबारक को पारंपरिक पहलगाम मार्ग से ले जाया जाएगा जिसके साथ ही 31 अगस्त को यात्रा संपन्न हो जाएगी। मंदिर में प्राकृतिक रूप से निर्मित हिम शिवलिंग के पिघलने के कारण 23 जुलाई से ही श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आने लगी थी। इस बीच, रविवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से 11 वाहनों में 362 श्रद्धालुओं का नया जत्था रवाना हुआ।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत ई-रिक्शा द्वारा जागरूकता

एजेन्सी

लखनऊ। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली के सहयोग से सृजन फाउंडेशन द्वारा लखनऊ में सड़क सुरक्षा जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार से जानकीपुरम में ई–रिक्शा द्वारा प्रचार प्रारंभ किया गया। ई–रिक्शा को जानकीपुरम प्रथम से पार्षद प्रतिनिधि सौरभ तिवारी एवं जानकीपुरम थाने के थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सौरभ तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार की जागरूकता बहुत जरूरी है। सभी लोगों को सड़क सुरक्षा अभियान सजग की पुस्तिका भी भेंट की गई। इस अवसर पर इंस्पेक्टर राकेश कुमार वर्मा, सृजन फाउंडेशन की सचिव दिव्या शुक्ला एवं सृजन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ अमित सक्सेना उपस्थित रहे।

अगले महीने सब्जियों की कीमतें घटने की उम्मीद, कच्चे तेल को लेकर चिंता

एजेन्सी

नयी दिल्ली । सरकार को उम्मीद है कि बाजार में नई फसलों के आने के साथ अगले महीने से सब्जियों की कीमतें कम होने लगेंगी। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कच्चे तेल के बढ़ते भाव को लेकर थोड़ी चिंता है, हालांकि यह अभी भी 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे है। अधिकारी ने आगे कहा कि उत्पाद शुल्क में कटौती की योजना नहीं है। सरकार बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा रही है, और निजी क्षेत्र के पूंजी निवेश में अभी तेजी आना बाकी है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र का पूंजीगत व्यय सितंबर के अंत तक बजट अनुमान का 50 प्रतिशत तक हो जाएगा। यह आंकड़ा जून तिमाही के अंत में 28 प्रतिशत था। सरकार ने 2023–24 के बजट में पूंजीगत व्यय को 33 प्रतिशत बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए कर दिया था। अधिकारी ने आगे कहा कि छह फीसदी बारिश की कमी से खरीफ की बुआई पर असर पड़ने की आशंका नहीं है, क्योंकि कृषि क्षेत्र काफी लचीला है। उन्होंने कहा कि सरकार मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रही है, जिसमें गेहूं और चावल के भंडार को जारी करना, चावल, चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और दालों तथा तिलहनों के आयात की अनुमति देना शामिल है। अधिकारी ने बताया, कीमतों को नीचे रखने के लिए लचीली व्यापार नीति अपनाई गई है। हमें याद रखना चाहिए कि यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतें बहुत अधिक हैं और खाद्यान्न की आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह एक वैश्विक कारक है, जिससे भारतीय अलग नहीं रह सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने लोगों को महंगाई से बचाने के लिए कदम उठाए हैं और दूसरों की तुलना में हम काफी बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि टमाटर की कीमतों को कम करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं और आने वाले महीनों में इसका असर दिखाई देगा। अधिकारी ने कहा, मौजूदा अस्थायी रूप से ऊंची मुद्रास्फीति आंशिक रूप से सब्जियों के कारण है। मुझे उम्मीद है कि सब्जियों की कीमतें जल्दी ही कम हो जाएंगी, शायद अगले महीने तक। जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 15 महीने के उच्च स्तर 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

चीनी घुसपैठ की राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा का पलटवार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भाजपा ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने दावा किया था कि चीन ने लद्दाख में लोगों की जमीन छीन ली है।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हम आपसे क्या उम्मीद कर सकते हैं? जवाहरलाल नेहरू के समय में चीन ने 1962 के युद्ध से पहले और बाद में (भारत की) कितनी जमीन पर कब्जा किया था, क्या आपको राहुल गांधी जी याद है? वह दौरे से पहले एजेंडा तय करते हैं।" केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार का जिक्र करते हुए प्रसाद ने कहा, "राहुल गांधी, यह आपकी सरकार की आधिकारिक लाइन थी कि अरुणाचल प्रदेश से लद्दाख तक भारत–चीन सीमा पर सड़कें, पुल नहीं बनाए जाएंगे क्योंकि चीन चिढ़ जायेगा। संसद के अंदर आपके रक्षा मंत्री ए.के. एंटनी ने कहा था कि हम बुनियादी ढांचे का निर्माण कर चीन को परेशान नहीं करना चाहते हैं। तो, यह आपका अतीत है।

उन्होंने कहा, "आपने राफेल में क्या किया? दुनिया ने देखा। आपने लद्दाख के बारे में बिल्कुल गलत कहा है। (नरेंद्र) मोदी सरकार लद्दाख के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और बहुत कुछ कर रही है।""हम जानते हैं कि टुकड़े–टुकड़े गैंग के लोग आपके साथ चलते हैं। मैं आपसे अपील करता हूं कि देश का मनोबल ना तोड़ें। इससे पहले लद्दाख में राहुल गांधी ने कहारू "यहां, चिंता की बात यह है कि चीन ने जमीन छीन ली है और लोग प्रभावित हैं। लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना (भारतीय क्षेत्र में) घुस आई है।

कांग्रेस ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर उनके योगदान को किया याद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। कई नेताओं ने उनके कार्यों को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता, प्रियंका गांधी वाद्रा और के.सी. वेणुगोपाल भी उपस्थित थे। उन्होंने वीर भूमि पर पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील के सामने पूर्व प्रधानमंत्री के

चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान को याद करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राजीव गांधी भारत के एक महान पुत्र थे। वह एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने लाखों भारतीयों में आशा जगाई थी। खड़गे ने ट्विटर पर लिखा, हम आज सद्भावना दिवस मना रहे हैं, उनके विशाल योगदान को याद करना प्रासंगिक है जिसने भारत को 21वीं सदी में आगे बढ़ाया। उनके कई कार्यों से देश में परिवर्तनकारी बदलाव आए, जिनमें मतदान की आयु को 18 वर्ष करना, पंचायती राज, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और समावेशी शिक्षा पर जोर देने वाली नई शिक्षा नीति शामिल है। उन्होंने कहा, हम राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस बीच राहुल ने ट्विटर पूर्व प्रधानमंत्री का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, श्श्पापा आपकी तरह ही मैं भी भारतीयों के संघर्ष और सपनों को समझने और भारत माता की आवाज सुनने की राह पर हूं। प्रियंका ने ट्विटर पर लिखा, मशहूर गाने जीना इसी का नाम हैं की पंक्तियां मुझे हमेशा आपकी (राजीव गांधी) याद दिलाती हैं। जब भी मैं यह गाना सुनती हूं तो मेरी आंखें भर आती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए।

पीएम मोदी ने राजीव गांधी को उनकी जयंती पर किया याद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर मेरी श्रद्धांजलि। इससे पहले सुबह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजीव गांधी की जयंती पर उनकी समाधि वीर भूमि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता प्रियंका गांधी वाद्रा और केसी वेणुगोपाल भी उपस्थित थे।

जीडीपी में होटल उद्योग का योगदान 2047 तक 1000 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद : एचएआई

एजेन्सी

नयी दिल्ली। घरेलू पर्यटकों की यात्राओं और अंतरराष्ट्रीय आगमन में उल्लेखनीय उछाल के चलते देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारतीय होटल उद्योग का प्रत्यक्ष योगदान 2047 तक 1000 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) और बेनोरी नॉलेज की 'विजन 2047रू इंडियन होटल इंडस्ट्री रिपोर्ट के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद में होटल उद्योग का प्रत्यक्ष योगदान 2022 में 40 अरब डॉलर था और 2027 तक इसके 68 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह 2047 तक करीब 1000 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े निकाय के अनुसार क्षेत्र को अपना लक्ष्य हासिल करने के लिए आवास वृद्धि को महानगरों से आगे दो व तीन स्तर के शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक भी ले जाना होगा। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया कि कुल योगदान में खाद्य व पेय, सैलून व स्पा जैसे संबंधित उद्योग क्षेत्रों की सेवाओं के पहलू शामिल हैं। इसमें सेवा बाजार की वृद्धि पर गौर नहीं किया गया। इसलिए इसमें परिदृश्य–आधारित योगदान अनुमान शामिल नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अनुमानित वृद्धि का श्रेय जीडीपी वृद्धि और आय स्तर में वृद्धि, घरेलू पर्यटकों की आमद में वृद्धि और विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) जैसे कारकों को दिया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू पर्यटक यात्राओं की संख्या 2021 में 67.7 करोड़ थी जिसके 2030 तक 1.5 अरब होने की उम्मीद है। वहीं 2047 तक इसके 15 अरब तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत में जहां तक विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) की बात है तो 2021 में 15 लाख से बढ़कर 2024 तक यह 1.5 करोड़ हो गई। 2030 तक इसके 2.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

फूलपुर से नीतीश के चुनाव लड़ने की चर्चा

इलाके के कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों में उत्साह

एजेन्सी

लखनऊ। जनता दल यूनाइटेड के नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जबसे फूलपुर संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरने की चर्चा छिड़ी है तभी से फूलपुर संसदीय क्षेत्र की पांचो विधानसभा क्षेत्रों फूलपुर, सोरांव, फाफामऊ,शहर पश्चिमी एवं शहर उत्तरी के पार्टी कार्यकर्ताओं एवं जनता में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।इन विधानसभा क्षेत्रों के जनता दल यूनाइटेड पार्टी के जुझारू कार्यकर्ता क्षेत्रीय जनता के सहयोग से जगह–जगह बैठकें आयोजित करना शुरू कर दिए हैं। आज फूलपुर विधानसभा क्षेत्र की बैठक बाबूगंज के ग्राम चकमाली में पार्टी के फूलपुर विधानसभा अध्यक्ष आर के पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के प्रदेश महासचिव हरिशंकर पटेल लखनऊ से एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्टी के प्रयागराज जिला अध्यक्ष अजित प्रताप सिंह उपस्थित थे। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन विस्तार पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई। बैठक में फूलपुर बिधानसभा का सम्मेलन २२ अगस्त को बाबूगंज के मध्शी खुर्द स्थित नारायण पैलेस में आयोजित कराने का निर्णय लिया गया।

अजित पवार की राजनीति रेत के महल की तरह ढह जाएगी, राउत बोले– शरद पवार बीजेपी में नहीं जाएंगे

एजेन्सी

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार अपने भतीजे अजित पवार की तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हाथ मिलाने की ''गलती नहीं करेंगे। राकांपा नेता अजित पवार ने पिछले महीने महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे नीत भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उनके साथ राकांपा के आठ अन्य विधायकों ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी। शरद पवार की पार्टी राज्य में शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के साथ विपक्षी महा विकास आघाड़ी का घटक दल है। संजय राउत ने शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक में लिखा, ''अगर अजित पवार अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बनाएं और चुनाव लड़ें तो वह सच में बड़े नेता बन सकते हैं। अगर अजित पवार भाजपा की मदद से वैसा ही करते हैं जैसा कि एकनाथ शिंदे ने किया तो उनकी राजनीति रेत के महल की तरह ढह जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आरोप लगाया कि अजित पवार ने अपने चाचा के दम पर राजनीति में मुकाम हासिल किया और अब वह उनका (चाचा) ही राजनीतिक करियर खत्म करने का काम कर रहे हैं।

राज्यसभा सदस्य ने कहा कि शरद पवार ने अजित पवार से मुलाकात के बाद भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने दावा किया, ''शरद पवार को लगता है कि मोदी का समर्थन करना दमनकारी ताकतों का समर्थन करने की तरह है और जो उनकी पार्टी छोड़कर चले गए हैं, उनका राजनीतिक करियर भविष्य में खुद–ब–खुद खत्म हो जाएगा। शरद पवार भाजपा के पाले में जाने की गलती नहीं करेंगे। यह कोई व्यक्ति विशेष का मामला नहीं है, बल्कि लोकतंत्र बनाम तानाशाही का मामला है। राउत ने अजित पवार की तुलना 'कठफोड़वा पक्षी से की जो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कुर्सी में 'छेद करेगाश और उन्होंने दावा किया कि यह तय है।

सम्पादकीय

जियो और जीने दो

यदि मनुष्य के बाद बहुत सारा धन है उसमें से कुछ दान करता है तो यह बड़प्पन नहीं होगा अपितू यदि किसी के पास थोड़ी धन संपदा हो और वह उसमें से काफी कुछ अति जरूरतमंद लोगों को दान करता है तो यह मानवीय जीवन का श्रेष्ठ पहलू होगा। जियो और जीने दो तथा वसुधैव कुटुंबकम की भावना जिस मनुष्य समाज और देश में बलवती हो उस समाज की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता है और वह समाज साधुवाद का पात्र होगा।मनुष्य में उत्साह से जीवन जीने की जिजीविषा होनी चाहिए। जीवन में आकस्मिकत परिवर्तनशीलता और निरंतर विकास की संभावनाओं की तलाश होती रहनी चाहिए। जो मनुष्य जीवन मानव जाति एवं समाज के समग्र कल्याण के लिए जीता है वह जीवन को सार्थकता की ओर अग्रसर करता है। शास्त्रों में पुनर्जन्म की व्याख्या की गई है यदि इस जन्म अच्छा कार्य करेंगे तो अगले जन्म आपको पुनः मनुष्य की योनि प्राप्त होगी और आप फिर से मनुष्य के रूप में जन्म लेंगे, पर मेरा यह मानना है की वर्तमान जीवन ही पहला और अंतिम जीवन है।इसलिए आने वाले जन्मों की परिकल्पना में यथार्थ से दूर भागना एक मिथ्या की तरह है। वर्तमान जीवन ही यथेष्ट है और इस जीवन में ही सर्वश्रेष्ठ अवदान देकर इस जीवन को मानव जीवन के कल्याण एवं सामाजिक व्यवस्था की बेहतरी के लिए किया गया कार्य ही जीवन की सफलता होगी। व्यक्ति के जीने के अलग–अलग दृष्टिकोण और उद्देश्य हो सकते हैं अलग–अलग लक्ष्य की प्राप्ति भी मनुष्य के जीवन की अवधारणा हो सकती है, कोई आर्थिक लाभ एवं धन उपार्जन को अपने जीवन का लक्ष्य मानकर चलता है, और कोई इज्जत आबरु और सम्मान के प्रति आकर्षण में बंध कर राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचने की कामना के प्रयास में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करने के प्रयास में रहता है। कोई विज्ञान के प्रति, कोई व्यवसाय के प्रति, कोई कला के प्रति, कोई संस्कृति के प्रति जीवन जी कर लोगों से आगे निकलने का प्रयास करता है। जीवन के लक्ष्य जो भी हो पर उसमें प्रयासों की शुद्धता एवं सार्थकता सबसे ज्यादा मायने रखती है। मनुष्य को जिंदगी में उच्च मनोबल साहस संयम और तपस्या के साथ अपने जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास करना चाहिए। जीवन में कार्य करने की प्रेरणा समसामयिक परिस्थितियों से जूझने की इच्छा शक्ति एवं असफलता में ना घबराने तथा प्रयास के लिए सदैव तत्पर रहने की अदम्य जिजीविषा के साथ संघर्ष में विजयी होने की कामना भी होनी चाहिए। मनुष्य के जीने की स्वच्छंद प्रवृत्ति केवल मनुष्य को आनंद एवं आम संतोष प्रदान कर सकती है पर ईश्वर के बनाए मनुष्य की परिणति सर्वथा इसके विपरीत है, मनुष्य को सदैव प्रयत्नशील होकर मानवीय संवेदनाओं को सहेज कर जगत के कल्याण के बारे में तन मन धन से प्रयास करना चाहिए तभी मनुष्य के जीने का लक्ष्य संपूर्ण रूप से प्राप्त हो सकता है। विभिन्न चिंतकों का मानना है कि जिंदगी एक रंगमंच है और हम सब अलग–अलग किरदार की तरह उसे निभाते चले जाते हैं। पर इस किरदार को निभाने में सच्चाई ईमानदारी प्रयत्नशीलता एवं संघर्षों के प्रति साहस जिंदगी को रुचिकर बनाकर आगे बढ़ने के प्रयास को द्विगुणित करते हैं। वैसे जीवन में सफलता और असफलता दोनों ही सिक्के के दो पहलू हैं और सफलता तथा असफलता को एक ही ही उत्साह से स्वीकार करने वाला व्यक्ति सफल व्यक्तित्व का मालिक हो सकता है। जीवन में यदि लोभ,कामना,स्पृहा, लालच से यदि बचकर आगे बढ़ा जाए तो जीवन सात्विक तौर पर दार्शनिक जीवन माना जा सकता है पर ऐसे जीवन में आर्थिक तंत्र अत्यंत मजबूत हो इसकी कोई निश्चिंतता का कोई निश्चित परिणाम नहीं होता है। इसीलिए मनुष्य को सदैव आध्यात्मिक चिंतन,मनन, धर्म, संस्कृति और आर्थिक लाभ से सामंजस्य बनाकर समाज के निचले तबके के व्यक्ति के लिए समर्पित जीवन ही एक जीवन के मूल उद्देश्य का परिणाम हो सकती है। जीवन को रंगमंच की तरह जीने वाले और ऐसे नजरिया को अपनाने वाले व्यक्ति को क्षणवादी माना जा सकता है जो जीवन के प्रत्येक क्षण को पूर्णता वादी नजरिए से देखते हैं ऐसे ही लोग परिवर्तन को सबसे बड़ा सत्य मानते हैं और इनका उद्देश्य परिवर्तन ही सबसे बड़ा परिवर्तनशील कारक होता है। जीवन में आने वाला हर पल अनिश्चित होता है इसका यह कतई आशाय नहीं है कि हम अपने आप को भाग्य के भरोसे छोड़ दें और कर्म को त्याग दें। यह निश्चित तौर पर सत्य है कि कर्म और भाग्य दोनों समानांतर चलने वाली प्रक्रिया है और कर्म से भाग्य को बदला जा सकता है और अपने लक्ष्य की प्राप्ति में इन दोनों का सामंजस्य पूर्वक संतुलन बनाकर उपयोग मनुष्य के जीवन की प्राप्ति का एक साधन बन सकता है। कर्म के साथ परिणामों को बहुत महत्व दिए जाने की आवश्यकता नहीं है यदि परिणाम व्यक्ति के अनुरूप नहीं होते तो निराशा की संभावना ज्यादा बलवती होती है इन परिस्थितियों में जीवन में सदैव कर्मशील रहकर सकारात्मक सोच के साथ जीवन को निरंतर चलाएं मान गतिमान रखने का अथक तथा निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए तब ही आप अपने जीवन के सद उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं।

लोकसभा 2024 का सेमीफाइल

प्रेम शर्मा

लोकसभा चुनाव से पहले होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर सभी पार्टियों ने चुनावी बिगुल फूंक दिया है। इन विधानसभा चुनावों लोकसभा चुनावों का सेमी फाइनल माना जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में होने हैं, लेकिन शुरुआती तीन राज्यों की विशेष अहमियत इस लिहाज से है कि यहां बीजेपी और कांग्रेस में सीधी टक्कर है।बीजेपी ने तो मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लिए 60 प्रत्याशियों की पहली सूची भी जारी कर दी है। हिमाचल प्रदेश और खासकर कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हाथों हार झेलने के बाद बीजेपी इन तीनों राज्यों में किसी तरह का जोखिम मोल नहीं लेना चाहती। इसीलिए चुनाव आयोग की ओर से चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से भी पहले उसने इन दो राज्यों में प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर यह संकेत देने की कोशिश की है कि वह चुनाव तैयारियों के मामले में अपने प्रतिद्वंद्वी दलों से काफी आगे है। जहां तक राजस्थान का सवाल है तो प्रत्याशियों की सूची भले न जारी की गई हो, लेकिन दो अहम समितियां दृ चुनाव प्रबंधन समिति और संकल्प पत्र समिति– जरूर गठित कर दी गईं। पहली नजर में, ये कदम बताते हैं कि चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी नेतृत्व अन्य दलों के मुकाबले कहीं ज्यादा गंभीर है। लेकिन थोड़ा ठहर कर देखें तो इन कदमों के साथ भी कई किंतु–परंतु जुड़े नजर आते हैं। यही नही विपक्षी का गठबंधन का एकमत न होना भी भाजपा के लिए संजीवनी से कम नही है। हालांकि पिछले कुछ समय से देखा जाए तो कांग्रेस के राहुलगांधी की पद यात्रा को जनता ने सराहा है वही केन्द्र सरकार की साख में महंगाई और बेराजगारी जैसे मुद्दे दाग बनकर उभरे है। ज्ञात हो कि लोक सभा चुनाव के परिणाम 23 मई 2019 को घोषित किये गए थे जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटों पर जीत हासिल की, और अपने पूर्ण बहुमत बनाये रखा और भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 353 सीटें जीतीं थी और भाजपा ने 37.36 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि एनडीए का संयुक्त वोट शेयर 60.37 करोड़ वोटों का 45 प्रतिशत था। इनमें मध्यप्रदेश में 29 सीटो में से 28 पर भाजपा, छत्तीसगढ़ की 11 में से 9, राजस्थान की 25 में से 25 सीटों पर भजपाप का परचम लहराया था। जबकि तेलंगाना की 17 में से चार तथा मिजोरम में क्षेत्रीय दल का परचम लहराया था।

निश्चित तौर से चुनावों से काफी पहले प्रत्याशियों के नाम घोषित करने के कई फायदे हैं। एक तो इन प्रत्याशियों को अपने क्षेत्र में काम करने का वक्त मिल जाता है, दूसरे पार्टी नेतृत्व के पास भी इस बात का मौका होता है कि अगर आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ असंतोष या बगावत जैसी स्थिति बने तो उससे समय रहते निपट सके या संभावित नुकसान को कम कर सके। मगर इसी का दूसरा पहलू यह है कि फैसले से असंतुष्ट तत्व भी जवाबी कदम तय करने का वक्त पा जाते हैं। विरोधी दलों के सामने भी यह मौका होता है कि वे प्रतिद्वंद्वी पार्टी के प्रत्याशी को देखकर और उससे क्षेत्र विशेष में बने जातीय और अन्य समीकरणों का ध्यान रखते हुए अपने प्रत्याशी तय करें। संभवतरू इन्हीं कारणों से बीजेपी ने पहली सूची में उन्हीं सीटों को रखा जहां उसकी स्थिति कमजोर मानी जा रही है। ये सभी सीटें ऐसी हैं जहां पिछले विधानसभा चुनावों में पार्टी को हार मिली थी। जहां तक राजस्थान की बात है तो दोनों अहम समितियों का गठन होते ही इस बात पर चर्चा शुरू हो गई कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को इनमें जगह नहीं दी गई। चर्चा की वजह यह है कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे नहीं माने जा रहे। बहरहाल, चुनावों में अभी वक्त है और ऐसी चर्चा और जवाबी चर्चा अभी हर दल में उठती और मंद पड़ती रहेगी। इतना जरूर है कि चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही विधानसभा चुनावों के समर का शंखनाद हो चुका है और अब दोनों पक्षों से ऐसे नए–नए दांव देखने को मिलते रहेंगे।चौबीस घंटे सक्रिय रहना और जल्दी फैसला लेकर बढ़त लेना, नई राजनीति का माइंडगेम बन गया है। 2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा ने इस ट्रेंड की शुरुआत की और लगातर मेहनत से सियासी पिच को बेहद प्रतियोगी और लगातर अलर्ट मोड में डाल दिया। कांग्रेस के बारे में कहा गया इन नौ सालों में फैसला लेने और स्टार्ट लेने में देरी करती है, जिसका खामियाजा भी भुगता। खरगे ने प्रेजिडेंट बनने के बाद इससे निकल कर भाजपा की तर्ज पर सक्रियता दिखाई। माना जाता है कि सियासी सक्रियता कहीं न कहीं वोटरों के मनोदशा पर भी असर डालती हैं। कर्नाटक ऐसा पहला चुनाव हाल के सालों में बना, जहां कहा गया कि कांग्रेस ने बीजेपी से पहले पहल की। ऐसे में जब पिछले दिनों कांग्रेस ने कहा कि सितंबर में राजस्थान के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करेगी, भाजपा ने अगस्त में ही दो राज्यों की पहली लिस्ट जारी कर इस माइंडगेम में बढ़त लेने की कोशिश की। अब बारी कांग्रेस की काउंटर करने की है। लोकसभा चुनावों से पहले पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को सेमीफाइनल माना जा रहा है। उनमें से तेलंगाना और मिजोरम को छोड़ा तो बाकी तीन राज्य राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ न सिर्फ बड़े राज्य हैं, बल्कि इन तीनों ही राज्यों में कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला है। कांग्रेस के सामने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार बचाने की चुनौती है। साथ ही उसकी कोशिश मध्य प्रदेश में भाजपा के लगभग डेढ़ दशक से ज्यादा के शासनकाल को खत्म करना है। ठश्रच् मध्य प्रदेश का किला बचाने के साथ–साथ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता पाने की कोशिश करेगी। इसे लेकर दोनों ही राष्ट्रीय दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कांग्रेस ने तमाम राज्यों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति से लेकर अलग–अलग राज्यों में चुनाव से जुड़ी समितियों का गठन कर दिया है। बीजेपी ने चुनाव वाले राज्यों में नियुक्ति के साथ–साथ एक कदम आगे जाते हुए छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कुछ सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर मनोवैज्ञानिक बढ़त लेने की कोशिश की है। हाल ही में भाजपा ने राजस्थान में अपनी चुनाव प्रबंधन समिति और घोषणा पत्र समिति का गठन किया, जिसमें राज्य की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया को छोड़कर प्रदेश के तमाम बड़े नेताओं को जगह दी गई। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को दोनों समितियों में न सिर्फ जगह दी गई है, बल्कि उन्हें घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष भी बनाया गया है। हालांकि राजस्थान में अभी तक कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी का कोई ऐलान नहीं किया है। राजस्थान में उम्मीदवारी का ऐलान करने के लिए भाजपा ने काफी लंबी चौड़ी कवायद कर रही है। इसके लिए देश के चार राज्यों से लगभग 200 विधायक राजस्थान पहुंचे हैं, जिनका काम अगले एक हफ्ते तक हर सीट पर सक्रिय रहकर उसका रिपोर्ट कार्ड तैयार कर अपना फीडबेक हाईकमान को देना है। यह विधायक उस सीट के दावेदारों के बारे में लोगों के साथ–साथ बूथ लेवल से लेकर विधानसभा स्तर तक के ठश्रच् से जुड़े लोगों का फीडबेक लेंगे और इस आधार पर सीट पर उम्मीदवारी का फैसला होगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को मिलाकर भाजपा ने पहली सूची में 60 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान में भी बीजेपी के लिहाज से अति कमजोर 19 सीटों का ऐलान भी पहले ही होना था, लेकिन प्रदेश में कुछ महत्वपूर्ण नियुक्तियों के न होने के चलते ऐसा नहीं हो पाया। बताया जाता है कि इन सीटों पर उम्मीदवारी का ऐलान कभी भी हो सकता है। वैसे तो तीन राज्यों को लेकर कांग्रेस भी पीछे नहीं। पार्टी में बड़े पैमाने पर उम्मीदवारी को लेकर मंथन चल रहा है। मध्य प्रदेश को लेकर कांग्रेस, बीजेपी सरकार को कुछ उसी तरह से घेरने की तैयारी कर रही है, जैसे उसने कर्नाटक में किया था। बोम्मई सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस ने घेराव किया था। अब शिवराज सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर सरकार को घेरने की योजना बनाई गई है। हाल ही में कांग्रेस की ओर से पूर्व सीएम कमलनाथ ने शिवराज सरकार के खिलाफ मिड–डे मील घोटाला, आंगनवाड़ी नल जल घोटाला, यूनिफॉर्म घोटाला, नर्सिंग घोटाला, व्यापम घोटाला, पोषण आहार घोटाला, कौशल घोटाला, पैरामेडिकल छात्रवृत्ति घोटाला जैसे तमाम घोटालों का जिक्र करते हुए आरोप पत्र जारी किया है। पार्टी ने मध्य प्रदेश में चुनाव अभियान समिति का ऐलान किया, वहीं प्रदेश में कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला को बड़ी जिम्मेदारी दी गई। पहले उन्हें सीनियर ऑब्जवर बनाया गया, फिर प्रदेश का प्रभार सौंपा गया। दूसरी ओर कांग्रेस राज्य की 66 सीटों पर बीजेपी के बड़े चेहरों और नामों को घेरने की योजना बना रही है। उसकी कोशिश इन सीटों पर फोकस रखने की रहेगी। इसमें उन सीटों को भी शामिल किया गया है, जिन पर पार्टी लगातार हार रही है। दूसरी ओर राजस्थान में शनिवार को उन सीटों पर मंथन हुआ, जहां कांग्रेस कमजोर मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस इन सीटों का ऐलान पहले कर सकती है। राजस्थान में कांग्रेस समितियों का गठन कर चुकी है। ऐसे ही हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी चुनाव संबंधी समितियों का गठन किया गया। छत्तीसगढ़ में भी उम्मीदवारों को लेकर मंथन किया गया, जिसमें भाग लेने के लिए कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल भी रायपुर पहुंचे थे। 2 सितंबर को राहुल गांधी प्रदेश में एक बड़े कार्यक्रम में शिरकत करेंगे तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 8 सितंबर को प्रदेश के पूर्व सीएम रमण सिंह के गढ़ राजनांदगांव में विशाल रैली करेंगे। बहरहाल हाल इन पॉचों राज्यों के लिए भाजपा ने सोशल मीडिया से लेकर स्टार प्रचारकों तक का पूरा प्लान कर मैदान में टीम को उतार दिया है। इन राज्यों के लिए प्रधानमंत्री मोदी, अमितशाह, राजनाथ सिह, नितिन गडकरी से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी तक की सैकड़ों जनसभाएं तय कर दी गई है।

नारी सम्मान की न्यायिक शब्दावली

न्यायिक प्रक्रिया के दौरान नारी का सम्मान बनाये रखने के लिये सुप्रीम कोर्ट ने नई शब्दावली दी है। अनेक ऐसे शब्द जो नारी की गरिमा को गिराने वाले होते हैं, उसकी बजाय शीर्ष अदालत ने सम्मानजनक शब्द दिये हैं। एक हैंडबुक के जरिये सर्वोच्च अदालत ने जो शब्द इस्तेमाल में लेने के लिये कहा है, आशा है कि अब कचहरी पहुंचने वाली महिलाओं को न्याय पाने के लिये अपनी प्रतिष्ठा के साथ समझौता नहीं करना होगा। शादी, तलाक, लिव इन रिलेशनशिप, यौन उत्पीड़न, प्रताड़ना, सम्पत्ति, विवाद होने पर बच्चों की कस्टडी आदि कई तरह के मुकदमों की सुनवाई के दौरान महिला पक्षकारों का बेहद अपमानजनक भाषावली से सामना होता है जिसके कारण उसके लिये न्याय को भूलकर अपनी प्रतिष्ठा को बचाना प्राथमिकता बन जाता है। पुरुष प्रधान समाज द्वारा रचित महिलाओं की आबरू को तार–तार करने वाले कई शब्द, वाक्य और मुहावरे समाज में खूब प्रचलित हैं। महिलाओं को संबोधित करने वाले ऐसे रुढ़िवादी शब्दों को अदालत की शब्दावली से हटाकर सुप्रीम कोर्ट ने जो नये शब्द दिये हैं, उम्मीद की जानी चाहिये कि वे कचहरी की जिरह और दस्तावेजों

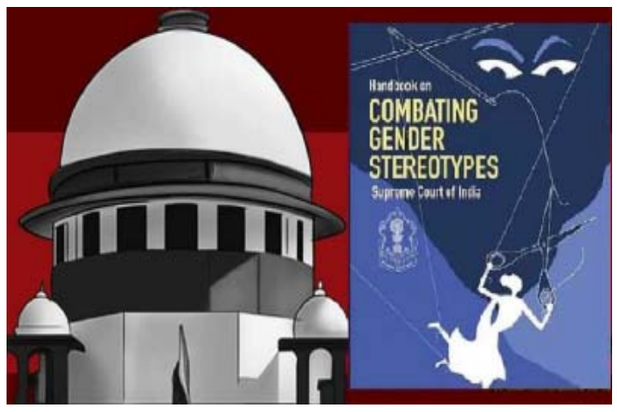

में ही सीमित न रहकर पूरे समाज में इस्तेमाल होंगे ताकि औरतों को कोर्ट ही नहीं वरन पूरे समाज में अपमानित हुए बिना संबोधित होने का मौका मिले। हमारे यहां महिलाओं के स्थान के बारे में चाहे जितनी महिमा गाई जाये, सच्चाई यही है कि भारतीय समाज औरतों को वह सम्मान नहीं देता जिसकी आधी आबादी हकदार है। बहुत से देशों का भी यह हाल हो सकता है। यह किसी एक धर्म या वर्ग से जुड़ी महिलाओं की भी बात नहीं है। थोड़े से अंश को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर महिलाएं देश में लैंगिक असमानता का शिकार हैं। फिर वे चाहें निम्न वर्ग की हों या मध्य वर्ग अथवा उच्च वर्ग की। शिक्षा ने कुछ फर्क जरूर डाला है पर असलियत यही है कि ज्यादातर महिलाएं अपने वाजिब अधिकारों की तरह ही सम्मान से काफी दूर हैं। पहले पिता या भाई के नियंत्रण में रहती स्त्रियां बाद में पति और अंततरू बुढ़ापे में पति के साथ रहते हुए या विधवा के रूप में पुत्रों पर आश्रित जीवन जीती हैं। उनकी भौतिक जरूरतों को लेकर होने वाली दुश्वारियां तो अपनी जगह पर हैं, घर हो या बाहर, वे आजीवन जिल्लत भरा जीवन जीती हैं। उन्हें जिन शब्दों से संबोधित किया जाता है वह अक्सर अपमानजनक होता है। घरों के बाहर भी महिलाओं को लेकर कोई बहुत अच्छी भाषा का उपयोग नहीं होता। जो महिलाएं समाज में प्रचलित भाषा को चुपचाप सुन लेती हैं वे अच्छी मानी जाती हैं क्योंकि यह मानकर ही चला जाता है कि उनका जीवन इसी के लिये बना हुआ है या उनके प्रति ऐसे वाक्यों या शब्दों का प्रयोग गैरवाजिब नहीं है। फिर, यदि औरत न्याय की दहलीज तक पहुंचने वाली हो तो, पुरुष का अहम अधिक आहत होता है। ऐसी औरतों के लिये कटुतर व ज्यादा अपमानजनक शब्द प्रयोग में लाये जाते हैं। ये शब्द लोक व्यवहार से चलकर कानूनी प्रक्रिया में दाखिल हो गये हैं। रुढ़िवादी भाषा महिला को उसके हक की लड़ाई में कमजोर कर देती है। औरतों को अपमानित करने वाला कानूनी दांव–पेंच शब्दों तक सीमित न रहकर महिला के विचारों और पोशाकों तक पहुंच जाता है। बलात्कार से पीड़ित महिला को इंसाफ पाने या दिलाने के लिये दामिनी मूवी की तरह उस पीड़ादायी घटना का सिलसिलेवार वर्णन करना होता है जो बलात्कार से कहीं अधिक दर्दनाक होता हैय या फिर शर्पिकश फिल्म की भांति महिला पक्षकार को नाइट पार्टी का आदी साबित कर चरित्रहीन बतलाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत को सभ्य समाज बनने के रास्ते पर एक और कदम चलाया है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा तैयार की गई एक हैंडबुक बुधवार को जारी की। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिये प्रयोग में लाये जाने वाले शब्दों पर रोक लगाना है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इससे जजों और वकीलों को लैंगिक रुढ़िवादी शब्दों के इस्तेमाल से बचने में सहायता मिल सकेगी। हैंडबुक में दिये गये शब्द अब से अदालतों में जिरह करने के दौरान और उनके फैसलों में उपयोग में लाये जायेंगे। अनेक ऐसे शब्दों को वर्जित कर महिलाओं के लिये सम्मानजनक जो शब्द इस हैंडबुक में बतलाये गये हैं, उनमें कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं– अब तक प्रचलित प्रास्टिट्यूट, हूकर या रंडी के स्थान पर सेक्स वर्कर, अडल्ट्रेस या अफेयर (व्यभिचारिणी) की बजाय शादी से इतर संबंधश तथा हाउस वाइफ के बदले होममेकर शब्द का इस्तेमाल होगा। ऐसे ही, कैरियर वूमन, इंडियन या वेस्टर्न वूमन, पवित्र महिला, स्लट या फूहड़ के स्थान पर केवल महिला शब्द का प्रयोग होगा। बिन ब्याही मां को मां तथा कीप या मिस्ट्रेस को श्गैर मर्द से संबंधश कहना होगा। बाल वेश्या को ऐसी बच्ची जिसकी तस्करी की गई, जन्म से लड़का–लड़की के स्थान पर जन्म के समय निर्दिष्ट लड़का या लड़की, स्त्रैण (जब अपमान के उद्देश्य से इस्तेमाल में लाया गया हो) के बदले लिंग तटस्थ शब्द जैसे आत्मविश्वासी या जिम्मेदार लफ्जों का प्रयोग होगा। भड़काऊ कपड़े केवल कपड़े कहे जायेंगे और ये महिला की इच्छा के द्योतक नहीं होंगे। उनकी ना का अर्थ ना ही होगा। आशा है कि महिलाओं को जो सम्मान शीर्ष अदालत दिलाना चाहता है वह सिर्फ मुकदमों की जिरह, सुनवाई और फैसलों में ही सीमित न रहे। कोर्ट परिसरों के बाहर भी समाज औरतों को वास्तविक सम्मान देगा ताकि हम लैंगिक समानता से युक्त समाज रच सकें। कोर्ट द्वारा दिखाया गया नारी सम्मान का रास्ता आम लोगों को कुछ तो सिखायेगा!

आज का राशि फल

मेष :– कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन में नई–नई युक्तियां उत्पन्न होंगी। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

बृषभ :– नैतिक–अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। आलस्य कतई न करें।

मिथुन :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीनता न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का योग है। पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति उत्पन्न न होने दें।

कर्क :– रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी।

सिंह :– रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। असीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्या :– आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। आप धैर्य से समय का इंतजार करें। दूसरों की आलोचना का असर अपने मनोबल पर न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ वर्तमान में जियें।

वृश्चिक :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कल्पनाएं सार्थकता हेतु उद्वेलित करेंगी।

धनु :– दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नहीं देता है। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याएं आएंगी।

कुंभ :– राजनीतिक सरगर्मियों से व्यस्तता बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा।

मीन :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

कुछ प्रविधानों पर और गहन चिंतन की आवश्यकता

भारत को ब्रिटिश राज के कानूनों से मुक्ति दिलाने की दिशा में सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसके तहत गृहमंत्री अमित शाह ने संबंधित कानूनों से जुड़े विधेयक लोकसभा में प्रस्तुत किए। इस पहल में भारतीय दंड संहिता को बदलकर भारतीय न्याय संहिता किए जाने का प्रस्ताव है। इसी के साथ दंड प्रक्रिया संहिता, जिसका अधिकांश भाग अंग्रेजों के जमाने का ही था, के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लाई जा रही है। अत्यंत महत्वपूर्ण और आम जनमानस को प्रभावित करने वाले इन विधेयकों को फिलहाल संसद की स्थायी समिति के पास भेज दिया गया है। दशकों तक आतंकवाद के भुक्तभोगी रहे भारत के मुख्य दंडात्मक कानून में अभी तक कतिपय राजनीतिक कारणों के चलते आतंकवाद की कोई परिभाषा ही नहीं थी। प्रस्तावित भारतीय न्याय संहिता आतंकवाद और आतंकवादी कृत्यों की एक व्यापक परिभाषा देती है और ऐसे किसी कृत्य के द्वारा किसी की मृत्यु हो जाने पर न्यूनतम दंड आजीवन कारावास निर्धारित करती है जिसके दौरान अपराधी को पैरोल भी नहीं मिल सकेगी। यह अत्यंत स्वागतयोग्य प्रविधान है। इसके साथ ही संवेदनशील आधारभूत ढांचे पर हमले को भी आतंकवादी कृत्य की श्रेणी में रखा गया है। ऐसे किसी आतंकी कृत्य में किसी की मृत्यु न होने की स्थिति में न्यूनतम पांच वर्ष के कारावास का प्रविधान रखा है। इसे बढ़ाकर सात वर्ष से अधिक कर दिया जाना चाहिए। साथ ही, ऐसे मामलों में भी पैरोल का प्रविधान न हो, ताकि आतंकी किसी भी प्रकार से प्रक्रियात्मक लाभ न उठा सकें, क्योंकि सात वर्ष तक की सजा के मामलों में भारतीय न्यायपालिका से आने वाले कई फैसलों का रुझान प्रक्रियात्मक बिंदुओं पर लचीला रहा है। प्रस्तावित कानून संगठित अपराध पर चोट करते हुए पहली बार मुख्य दंडात्मक विधि में संगठित अपराध की भी एक व्यापक परिभाषा देता है जिसके अंतर्गत तीन या उससे अधिक व्यक्तियों द्वारा संचालित सतत आपराधिक गतिविधियों को इसमें अपराध की श्रेणी में रखा गया है। साइबर एवं आर्थिक अपराधों को भी इसमें शामिल किया गया है। इस परिभाषा को और धार देने के लिए सतत आपराधिक गतिविधि माने जाने के लिए ऐसे आपराधिक सिंडिकेट के विरुद्ध दस साल की अवधि में दो आरोपपत्रों पर न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया जाना काफी होगा। इसका प्रभाव यह होगा कि दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज होने पर भी माफिया सरगनाओं के बाहर घूमने का चलन समाप्त हो जाएगा। साथ ही अब किसी प्रदेश में संगठित अपराध के विरुद्ध विशेष कानून न होने पर भी भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत माफिया तत्वों पर कार्रवाई की जा सकेगी। भारत में भीड़ द्वारा घृणा के कारण हत्या या माब लिंचिंग के विरुद्ध पहली बार सजा के विशेष प्रविधान किए गए हैं जिसके अंतर्गत न्यूनतम सात वर्ष कारावास से लेकर मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। माब लिंचिंग की घटनाओं को लेकर मोदी सरकार पर राजनीतिक हमले होते रहे हैं, लेकिन यही सरकार ही इस अपराध के विरुद्ध कड़ा कानून लेकर आ रही है।

मोदी सरकार ने शाहीन बाग, सीएए विरोधी दिल्ली दंगों और 26 जनवरी को किसान आंदोलन के नाम पर गणतंत्र दिवस की परेड के समय लाल किले पर खालिस्तान समर्थकों के उपद्रव को झेला है। ये तथाकथित आंदोलन ऐसे समय पर हो रहे थे जब देश कोविड महामारी से जूझ रहा था या चीन के साथ युद्ध के कगार पर खड़ा था। ऐसे गंभीर समय में भी देश की राजधानी को घेर कर रखा गया था और उसके कई हिस्सों का संपर्क बाकी देश से कटा था। शाहीन बाग धरने के समय तो पूर्वोत्तर भारत को देश से काट डालने का आह्वान भी किया गया था। नए कानून में ऐसी देशविरोधी गतिविधियों से निपटने के लिए समुचित प्रविधान किए गए हैं जिनके अंतर्गत भड़काऊ भाषणों द्वारा देश की एकता–अखंडता को खतरे में डालने के लिए लोगों को भड़काना या विध्वंसक गतिविधियों के लिए उकसाना अब दंडनीय अपराध होगा जिसके लिए सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा होगी।

जज सिंह अन्ना ने सुहेलदेव एक्सप्रेस हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ड्राइवर को सौंपा भारतीय ध्वज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर रेलवे के मड़ियाहू रेलवे स्टेशन पर सुहेलदेव एक्सप्रेस 22434 आनंद विहार टर्मिनल से चलकर गाजीपुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का मड़ियाहूं रेलवे स्टेशन पर ठहराव हुआ । जज सिंह अन्ना और उनके साथी रेल आंदोलनकारियों ने भारत माता की जय, मड़ियाहू रेलवे स्टेशन जिंदाबाद, सुहेलदेव एक्सप्रेस जिंदाबाद, के नारे लगाते हुए भारतीय ध्वज को सुहेलदेव एक्सप्रेस के ड्राइवर को समर्पित कर हरी झंडी दिखाकर सुहेलदेव एक्सप्रेस 22434 को मडियाहू रेलवे आज सुबह रवाना किया । इस अवसर पर सुहेलदेव एक्सप्रेस से उतरे रेलयात्री बहुत खुश नजर आए और अपने को मडियाहू रेलवे स्टेशन पर उतरकर भाग्यशाली समझे वही सुहेलदेव एक्सप्रेस के ड्राइवर ने कहा कि हम भी बहुत खुश हैं कि हमको मडियाहू में सुहेलदेव का ठहराव करने का आदेश मिला था जज ने अपने कठोर तपस्या को बताते हुए कहां की सुहेलदेव एक्सप्रेस का ठहराव की प्रेरणा मुझे मड़ियाहू तहसील अधिवक्ता संघ के बुजुर्गों ने कहा था कि अन्ना आप ही एक ऐसे नेता हैं जो सुहेलदेव एक्सप्रेस का ठहराव करवा सकते हैं अन्ना ने प्रतिष्ठा का सवाल समझते हुए इसके लिए लगातार एक महीने धरना प्रदर्शन आमरण अनसन चलाया सांसद विधायक रेल मंत्रालय जिलाधिकारी, जीएम, डीआरएम, सबको अन्ना ने ज्ञापन दिया था जज सिंह अन्ना के आमरण अनशन के दिन रेल अधिकारियों ने कहा था कि 4 महीने का समय दे दीजिए सुहेलदेव का ठहराव करवा दूंगा अंततः मड़ियाहू रेलवे स्टेशन पर सुहेलदेव का ठहरा हुआ और जज सिंह अन्ना और मड़ियाहूं क्षेत्रवासियों ,पत्रकारों की जीत हुई । मड़ियाहू रेलवे स्टेशन पर लगभग 15 करोड़ का भारत अमृत रेलवे स्टेशन सौन्दरीकरण का भी स्वीकृति मिली है शीघ्र इस पर काम शुरू किया जाएगा अन्ना के मड़ियाहूं रेलवे स्टेशन की दुर्दशा वायरल करने पर कई वर्षों से बंद पड़े हैंड पंप को रिपेयर कराया गया है दीवारों की पेंटिंग की जा रही है स्टेशन के बाहर लान की सफाई की जा रही है जगह–जगह रिपेयर का भी काम चल रहा है। इसे जज सिंह अन्ना के रेल आंदोलनकारियों की जीत कहेंगे।आज सुहेलदेव एक्सप्रेस 22433 के शाम 5:40 के आगमन बड़ा प्रोग्राम आयोजित है।

शिव भक्तों के लिए महाप्रसाद भंडारा एवं चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

राजपूत एकता मंच के कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया आयोजन

सुजानगंज (जौनपुर) क्षेत्र के चौनपुर नगौली स्थित मौर्या कंप्यूटर सेंटर पर रविवार की देर रात तक शिवभक्तो (कावडियों) के लिये महाप्रसाद एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जानकारी के अनुसार राजपूत एकता मंच के अध्यक्ष गंगेश बहादुर सिंह के नेतृत्व मे नागपंचमी की पूर्व संध्या पर संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा महाप्रसाद एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ तथा शिवभक्तो के लिऐ ही पध्तापगढ से पधारे पं0 रमेश तिवारी के भजनो पर शिवभक्त झूम उठे। कार्यक्रम में सभी वर्ग के स्थानीय लोगों ने भी बढचढ कर भाग लिया। जिला पंचायत सदस्य आलोक सिंह एवं विकास सिंह कार्यक्रम सफल कराने में अहम भूमिका निभाई जहां पर क्षेत्र के गणमानय मन्नू सिंह सपा नेता पंकज मिश्रा, ओमप्रकाश पांडे ,शुभम तिवारी, सौरभ मिश्रा ,नीरज सिंह ,रिंकू सिंह साहब लाल पांडे हुबनाथ सिंह के साथ संरक्षक के रुप मे विपुल सिंह मुकेश सिंह अखिलेश सिंह आदि लोगों की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम में सर्वप्रथम देवताओं के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए पूजन किया गया तथा उपस्थित श्रेष्ठजनों को संगठन द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम राजपूत एकता मंच के सजातीय भाईयो द्वारा आर्थिक सहयोग एवं स्थानीय लोगों की एकजुटता से संपन्न हुआ।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सर्प के डसने से महिला अचेत,जिला अस्पताल रेफर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर थाना क्षेत्र के पराहित गांव निवासी दुर्गा देवी (45) पत्नी राकेश पटेल अपने घर के अंदर बिस्तर सो रही थी। सोमवार को भोर में लगभग साढ़े तीन बजे एक विषैला सर्प उनके बिस्तर पर चढ़कर हाथ में डंस लिया। नीद में उनको कुछ काटने का अहसास हुआ तो इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजन उन्हे लेकर लगभग सात बजे सुबह सीएचसी मछलीशहर पहुंचे। जहा चिकित्सक ने उनकी स्थिति गंभीर देख एंटी स्नैक इंजेक्शन लगा कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहा पर उनकी स्थित गंभीर बनी हुई है।

पति ने पत्नी को पीटा, पुलिस ने पति को लिया हिरासत में।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के विथार गांव में एक पति ने अपनी पत्नी को जमकर मारपीट दिया। पत्नी की सूचना पर पहुची पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया।

आरोप है कि रविवार की देर रात गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के विथार गांव की विवाहिता नेहा राजभर खाना बना रही थी। उसी समय उसका पति अशोक राजभर घर आया। नेहा का आरोप है कि उसका पति अशोक काफी शराब पी रखी थी। अशोक नेहा को गाली गलौज देते हुए मारने पीटने लगा। विरोध करने पर जब पति नही माना तो महिला ने डायल 112 पर कॉल कर के पति द्वारा मारने पीटने की सूचना पुलिस को दिया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुच गयी। पुलिस ने महिला के पति अशोक को हिरासत में ले लिया।

गौराबादशाहपुर थाने के एस एस आई राम शंकर पांडेय ने बताया कि महिला के पति को मौके पर गयी पुलिस ने हिरासत में लिया था। महिला द्वारा यदि तहरीर दी जाती है तो कार्रवाई की जाएगी।

साष्टांग दंडवत करते बाबा जागेश्वर नाथ मंदिर में भक्तों ने किया जलाभिषेक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बोल बम कांवरिया संघ द्वारा आयोजित साष्टांग दंडवत (लेटते हुए) नाग पंचमी के दिन हनुमान घाट से गाजे बाजे के साथ भगवान भोलेनाथ का सुंदर झांकियां तथा शिवभक्तों का विशाल हुजूम जुलूस के रूप में चहारसू चौराहा से होते हुए हरलालका रोड ,कोतवाली चौराहा, नवाब युसुफ रोड से होते हुए बाबा जागेश्वर नाथ के मंदिर में भक्तों द्वारा जलाभिषेक किया गया। लेट कर जलाभिषेक के लिए जाते हुए भक्तों का स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर तथा उनके ऊपर ठंडे पानी का बौछार कर उनका उत्साहवर्धन किया। भक्तों का विभिन्न धार्मिक संगठनों द्वारा रास्ते पर प्रसाद व पानी स्टाल लगा कर सहयोग भी प्रदान किया गया एवं श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन भी किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षण मंडल के सुभाष गर्ग, श्रवण कुमार, संतोष सेठ, गौतम सोनी, अशोक सेठ,विमल सिंह, उदय सेठ, विजय मास्टर, रंजीत अग्रहरि, संजीव चौरसिया, संजय कुमार मोदनवाल, अजय सोनी, राजन अग्रहरी, शैलेन्द्र मिश्रा,कृष्ण कुमार सेठ,अशोक कुमार, आशीष बोस, रामू मोदनवाल, गुड़िया बम, सुमित अग्रहरी, साहब लाल साहू, आलोक कुमार सेठ सहित सभी कार्यकर्ताओं ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में बोल बम कांवरिया संघ अध्यक्ष सुधीर साहू ने दंडवत यायात्रा सहयोग करने के लिए सभी भक्तों एवं पुलिस प्रशासन तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के साथ–साथ धार्मिक संगठनों का भी आभार व्यक्त किया।

बालहितों से सम्बन्धित निरीक्षण/समीक्षा एवं जनसुनवाई 24 अगस्त को: डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने बताया है कि सदस्य उ०प्र० राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग श्रीमती निर्मला सिंह पटेल एवं ई० अशोक कुमार यादव जनपद जौनपुर में बालहितों से सम्बन्धित निरीक्षणध्समीक्षा एवं जनसुनवाई करेंगे।

24 अगस्त 2023 को जिला कारागार, जिला अस्पताल, पीकू वार्ड, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालय, कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, पोषण पुनर्वास केन्द्र एवं आँगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण प्रस्तावित है। कोविड से प्रभावित बच्चों एवं एकल परिवारों के आवास पर संवाद का कार्यक्रम निर्धारित किये जायेंगे। 25 अगस्त 2023 को समय 11.00 बजे से 1.30 बजे तक बालहितों से सम्बन्धित मण्डलीय जनसुनवाई निरीक्षण भवन में किये जाने एवं समय 2.00 बजे से 3.30 बजे तक बाल संरक्षण से जुड़े अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट भवन में बैठक, 3.30 बजे से 4.00 बजे तक इलेक्ट्रानिक व प्रिन्ट मीडिया से प्रेस वार्ता आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

नागपंचमी पर्व पर छाए मेंहदी के रंग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ष्नई स्वस्थ परंपराओं को अपनाओ लेकिन अपनी सभ्यता संस्कृति को न भूलोष इस पंक्ति को साकार करने हेतु सेठ एम. आर. जयपुरिया, गोयल कैम्पस में विद्यालय के सभागार में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक, उप प्रधानाचार्या शिल्पी जैन और अन्य अध्यापिकाओं के अलावा अभिभावकों ने प्रतियोगियों का उत्साह वर्धन किया। प्रतियोगिता अभिभावकों और छात्रों के दो वर्गों में विभाजित थी। अभिभावक वर्ग से मुस्कान, निशा, सुनाक्षी, ज्योति छात्र वर्ग में कक्षा ११ की प्रियांशी सिंघल और कक्षा ६ के दीपांशु विजयी हुए। दीपांशु ने मेंहदी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखाने का श्रेय अपनी कला अभिरुचि को दिया। कार्यक्रम का समापन करते हुए प्रधानाचार्या ने पर्व का महत्व बताया और सभी के प्रयासों की सराहना की,सफल प्रतियोगियों को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया।

भगवान राम लला राम जन्म भूमि के अस्थाई मंदिर में ले रहे हैं झूलनोत्सव का आनंद

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। सावन माह की पंचमी तिथि को भगवान राम लला के गर्भ गृह में डाला जाता है झूला। चांदी के झूले पर सवार हैं भगवान राम लला। नाग पंचमी के मौके पर भगवान रामलला को लगाया जाएगा व्यंजनों का भोग। मौसमी फल और मिष्ठान भगवान के भोग में होंगे शामिल। राम भक्तों में वितरित किया जाएगा रामलला का भोग प्रसाद। शाम को भगवान रामलला के परिसर में सुनाई जाएगी कजरी और बधाई गीत। पूर्णिमा तक राम लला का झूलनोत्सव स्वरूप का दर्शन करेंगे राम भक्त। राम लला चारों भाइयों के साथ लेंगे झूलनोत्सव का आनंद।

दिव्यांगजनों हेतु ऑनलाइन पोर्टल से रियायती प्रमाण पत्र प्राप्त करने की सुविधा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिव्यांग जन हेतु रियायती प्रमाण पत्र जारी हेतु रेलवे ने एक पोर्टल तैयार किया है, जिसके द्वारा दिव्यांग जनों को रियायती प्रमाण पत्र बनवाने की विशेष सहायता प्रदान की जा रही है तथा इस पोर्टल की सहायता से दिव्यांग जन ऑन लाइन रियायती प्रमाण पत्र सम्बन्धी प्रक्रियाओं को घर बैठे पूर्ण करके अपना रेल रियायती प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है तथा उनको इस कार्य हेतु मंडल कार्यालय आने की आवश्यकता नही होगी द्य इस प्रक्रिया के तहत आवेदन करने वाले व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि आवेदन करने की प्रक्रिया के दौरान उनको किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो तो ऐसी स्थिति में आवेदक उत्तर रेलवे,लखनऊ मण्डल के सहायक मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, श्री ओमप्रकाश से प्रत्येक कार्य दिवस पर (प्रातः 10 बजे से सायंकाल 06 बजे तक) मोबाइल नंबर 9794833955 या मेल आई.डी. बमससबवदबमैपवद/हउंपस.बवउ पर सम्पर्क कर सकते है।

एस आर परिवार द्वारा मातृभूमि की रक्षा में लगे हुए वीर जवानों को 'राखियाँ' भेंट की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस आर ग्लोबल, लखनऊ द्वारा रक्षा रथ को भेंट की गई राखियाँ भाई बहन के सौहार्द व प्रेम के प्रतीक, पवित्र त्योहार रक्षाबंधन के पावन पर्व से एक सप्ताह पूर्व एस आर ग्लोबल स्कूल, बक्शी का तालाब, लखनऊ में रक्षा रथ का आगमन हुआ जिस अवसर पर एस आर परिवार द्वारा मातृभूमि की रक्षा में लगे हुए वीर जवानों को 'राखियाँ' भेंट की गई द्य विद्यालय के बच्चों द्वारा देश की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पण करने वाले वीर जवानों को स्वनिर्मित 'राखी' भेजी गई व धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा 'जय हिन्द' के नारे लगाये गए द्य उक्त अवसर पर एस आर ग्लोबल स्कूल की वाईस चेयरपर्सन श्रीमती निर्मला सिंह चौहान जी द्वारा माँ भारती की सेवा में अनवरत अपना सब कुछ अर्पण करने वाले जांबाज जवानों के लिए शुभकामना सन्देश दिया गया द्य रक्षा रथ की अगवानी विद्यालय के प्रधानाचार्य चन्द्र कुमार ओझा द्वारा की गई जिस अवसर पर विद्यालय की उप प्रधानाचार्या शालिनी श्रीवास्तव, अकेडमिक इंचार्ज दीपक सिंह व प्रशासनिक अधिकारी सीमा सिंह उपस्थित रहीं ।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के १९ वें स्थापना दिवस के अवसर पर राजधानी में आयोजित होगा व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह

व्यापारी सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न जिलों के व्यापारी लेंगे हिस्सा

प्रदेश भर के व्यापारी,व्यापारी सम्मेलन में अपने अधिकारों के लिए हुंकार भरेंगे

उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना होंगे, ष्व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में ष्व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करेंगे

सम्मान समारोह में संगठन के दिवंगत पदाधिकारियों को मरणोपरांत व्यापारी रत्न सम्मान से किया जाएगा सम्मानित

नगर निगम चुनाव में पार्षद निर्वाचित हुए, संगठन के व्यापारी नेताओं को भी व्यापारी –रत्न सम्मान से किया जाएगा सम्मानित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वावधान में संगठन के प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन हुआ। पत्रकार वार्ता को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा संबोधित किया गया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में पत्रकार साथियों को जानकारी देते हुए बताया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल 24 अगस्त,बृहस्पतिवार को अपना 19 वां स्थापना दिवस राजधानी में भव्य स्तर पर आयोजित कर रहा है।

उन्होने बताया इस अवसर पर राजधानी के निराला नगर स्थित होटल रेगनेन्ट में ष्व्यापारी सम्मेलन एवं सम्मान समारोहष् का आयोजन किया गया है उन्होंने बताया व्यापारी सम्मेलन में उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे तथा ष्व्यापारी सम्मेलनष् को संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता द्वारा मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया जाएगा तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से व्यापारी नेता ष्व्यापारी सम्मेलनष् में हिस्सा लेंगे तथा व्यापारियो की आवाज को बुलंद करेंगे उन्होंने बताया इस अवसर पर सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया है जिन व्यापारी साथियों ने पदाधिकारी के रूप में व्यापारियों की लगातार सेवा की तथा संगठन को मजबूत बनाने में विशेष योगदान दिया ऐसे दिवंगत व्यापारी पदाधिकारियों को सम्मान समारोह में ष्व्यापारी रत्नष् सम्मान से सम्मानित किया जाएगा तथा उनके परिजनों को यह सम्मान दिया जाएगा

उन्होंने बताया अभी हाल ही में संगठन के कई पदाधिकारी नगर निगम चुनाव में पार्षद के रूप में निर्वाचित हुए हैं इस अवसर पर संगठन उन्हें भी ष्व्यापारी रत्नष् सम्मान से सम्मानित करेगा

ष् व्यापारी सम्मेलनष् में विभिन्न जिलो के व्यापारी नेता शामिल होंगे तथा अपने अधिकारों की आवाज बढ़ाते हुए हुंकार करेंगे

संजय गुप्ता ने बताया इस सम्मेलन में जीएसटी की विसंगतियां,व्यापारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा, व्यापारियों की पेंशन योजना, कमर्शियल हाउस टैक्स, विदेशी ई कॉमर्स कंपनियों के कारण देश के परंपरागत व्यापारियों के खुदरा व्यापार पर पड़ रहे दुष्प्रभाव,ई कॉमर्स नीति, खुदरा व्यापारी नीति,व्यापारी नीति आयोग,प्रदेश की अर्थवयवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने के रोड मैप, प्रदेश के प्रमुख शहरो में सीलिंग की समस्या,आवसीय क्षेत्रों में व्यवसायिक गतिविधियो की अनुमति, मिक्स लैंड यूस पॉलिसी, वॉटर टैक्स, आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा वित्त मंत्री जी को व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा तथा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भी इस सम्मेलन में वित्त मंत्री जी को सौपा जाएगा

पत्रकार वार्ता में संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी,उपाद्यक्ष पवन जायसवाल, नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, ट्रांसगोमती प्रभारी मनीष पांडे, ट्रांसगोमती अध्यक्ष अनिरुद्ध निगम,चेयरमैन अशोक यादव, नगर महामंत्री मोहित कपूर , वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ साकेत चतुर्वेदी मौजूद रहे।

भारती एयरटेल ने भारत के सभी २२ दूरसंचार सर्किलों में ५जी सेवाओं के न्यूनतम रोल-आउट दायित्व को सफलतापूर्वक पूरा किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत के अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक भारती एयरटेल ने आज घोषणा की है कि कंपनी ने दूरसंचार विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार, भारत की सभी 22 दूरसंचार सर्किलों में 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम पर 5जी सेवाएं शुरू करने की न्यूनतम रोल–आउट बाध्यता को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह सेवाएं न्यूनतम कवरेज आवश्यकता को पूरा करने के लिए दूरसंचार विभाग के नियमों का पालन करते हुए शुरू की गई हैं। 26 गीगाहर्ट्ज द्वारा सक्षम 5जी की व्यापक संभावनाओं के साथ, कंपनी अपने ग्राहकों के लिए एयरटेल 5जी प्लस का सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करने के लिए लगातार नवीनतम तकनीक को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। व्यावहारिक तौर पर एयरटेल के 5ळ नेटवर्क के प्रदर्शन ने, इसकी उल्लेखनीय क्षमता और ग्राहकों द्वारा 5ळ अपनाने की बढ़ती गति को प्रदर्शित किया है।

एयरटेल की 5ळ प्लस सेवा अब देश भर के 5000 से अधिक शहरों और कस्बों में उपलब्ध है। कंपनी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपने 5ळ नेटवर्क पर 10 मिलियन ग्राहकों की अद्वितीय संख्या को पार कर लिया है और सितंबर 2023 तक कंपनी अपनी 5ळ प्लस सेवा के साथ हर शहर और प्रमुख ग्रामीण क्षेत्र को कवर करने के लिए तैयार है। कंपनी ने ग्राहकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से असीमित 5ळ डेटा प्लान्स भी लॉन्च किए है, जिससे उनको एयरटेल के 5जी प्लस नेटवर्क का अनुभव मिलेगा। एयरटेल ने सभी मौजूदा प्लान में डेटा उपयोग पर लिमिट हटा दी है, जिससे ग्राहक अब डेटा की चिंता किए बिना अल्ट्राफास्ट, विश्वसनीय और सुरक्षित 5जी प्लस सेवाओं का अनुभव ले पाएंगे।

अखिल भारतीय चाणक्य परिषद का किया गया संगठन विस्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा प्रदेश में जनपदों के गठन पर सहमति देने के लिए बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता पं. सतीश चन्द्र पाण्डेय द्वारा की गयी।प्रान्तध मण्डल ध्जनपद के पदाधिकारियों का मनोनयन ,

प्रदेश अध्यक्ष पं. दिलीप राम त्रिपाठी के सुझाव पर सहमति व्यक्त की गयी। मनोनीत पदाधिकारियों की सूची उपलब्ध करायी गयी, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

महिला प्रकोष्ठ की प्रांत अध्यक्षा श्रीमती मधु पाठक को नियुक्त किया गया तथा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ जय गुरुदेव शुक्ला को मनोनीत किया गया और आगे इसी कड़ी में प्रदेश कोषाध्यक्ष राधा रमण त्रिपाठी को नियुक्त किया गया एवं उमेश मिश्र को प्रांत मीडिया प्रभारी प्रवक्ता मनोनीत किया गया और अनूप पांडेय को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया और मनोनयन के क्रम को आगे बढ़ते हुए देवीपाटन मंडल से मंडल प्रभारी राम बुझारथ दुबे, एवं सह प्रभारी देवमणि त्रिपाठी को बनाया गया, बस्ती मंडल से मंडल प्रभारी अंजनी कुमार द्विवेदी एवं सह प्रभारी, शशांक त्रिपाठी, अजय पांडेय को मनोनीत किया गया, इसी कड़ी में अयोध्या मंडल से मंडल प्रभारी शेषमणि दुबे एवं रामजी पांडेय को सह प्रभारी बनाया गया, और मनोनयन के क्रम को आगे बढ़ाते हुए अयोध्या महानगर अध्यक्ष मुकेश तिवारी को बनाया गया तथा रामचंद्र तिवारी महंत रामायणी कुटिया एवं श्याम नारायण तिवारी, वीरेंद्र पाठक, अखिलेश चतुर्वेदी, को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया, इसके साथ ही शुभम उपाध्याय को अध्यक्ष युवा मोर्चा जनपद गोंडा मनोनीत किया गया ।

परिषद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए गहन चिन्तन किया गया। सम्मानीय श्री डॉक्टर संजयन त्रिपाठी आजीवन सदस्य द्वारा अखिल भारतीय चाणक्य परिषद जनपद अयोध्या जी में परिषद के कार्यालय की व्यवस्था करायी गयी, जिसके लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद सर्वसम्मति से व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय संरक्षक पं.राम अनुज तिवारी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस्तीफे पर सदस्यों की राय ली गयी जिसे सर्वसम्मति से अस्वीकार कर दिया गया। सोशल मीडिया पर पिछले दिनों परिषद के राष्ट्रीय, प्रान्तीय जिला पदाधिकारियों द्वारा दिये गये इस्तीफे पर भी विचार किया गया।

श्री विनायक समिति द्वारा आयोजित गणेश उत्सव की आमंत्रण पत्रिका का सदर सांसद एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया विमोचन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

श्री विनायक समिति द्वारा जनपद वासियों को भव्यता एवं दिव्यता के साथ गणपति पूजन का जो सौभाग्य प्रदान किया जाता है उसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। उत्सव में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को मंच मिलता है जिससे उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिलता है ये बात कल श्री विनायक समिति द्वारा प्रतिवर्ष अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित होने वाले श्री गणेशोत्सव की 24वीं आमंत्रण पत्रिका का विमोचन करते हुए सदर सांसद जयप्रकाश रावत ने कही।

पत्रिका का विमोचन होटल महेंद्र प्लाजा में समिति के संरक्षक मंडल पदाधिकारियों एवं सहयोगी सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। विमोचन से पूर्व विघ्नहर्ता श्री गणेश जी महाराज के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर आरती पूजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र ने समिति के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि 24 वां आयोजन पूर्ण उल्लास एवं सामंजस्य के साथ मनाएं जिससे आगे आने वाली पीढ़ी को भी सीखने का अवसर मिले। समिति के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने बताया कि 24वां गणेशोत्सव पूर्ण भव्यता के साथ 18 सितंबर 2023 से 23 सितंबर 2023 तक चलेगा तथा शोभायात्रा एवं विसर्जन 24 सितंबर 2023 को संपन्न होगा। आयोजन की तैयारियां समिति के सदस्यों द्वारा विगत 2 माह पूर्व से की जा रही हैं। बताया, 18 सितंबर को श्री गणेश उत्सव एवं छप्पन भोग के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। अंतराष्ट्रीय कलाकार मुरारी लाल तिवारी द्वारा मनमोहक झांकियों के माध्यम से मयूर नृत्य, श्रीकृष्ण की लीला सहित विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। 23 सितंबर को खाटू श्याम संकीर्तन गुजरात के प्रसिद्ध गायक सुरेश जोशी एवं प्रयागराज की गायिका बुलबुल अग्रवाल द्वारा होगा। खाटू श्याम संकीर्तन में बाबा के भक्तों द्वारा छप्पन भोग का प्रसाद भी लगाया जाएगा। 24 सितंबर को भव्य शोभायात्रा के साथ विसर्जन कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम का संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया।

नाग पंचमी पर विशेष

नाग पंचमी पर गांवो में नहीं सुनाई पड़ती है कजरी न ही पेड़ों पर नहीं देखते हैं झूले

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी

जिला संवाददाता) आधुनिक चकाचौंध में पुराने रीति रिवाज फीके पड़ रहे हैं। नाग पंचमी पर्व पर अब न तो पेड़ों की डालियों में झूले दिखाई पड़ रहे हैं और न ही कजरी की गूंज सुनाई दे रही है। एक दौर था जब सावन के शुरू होते ही बारिश की फुहारों संग पेड़ों पर झूले व कजरी गीत सुनाई पड़ने लगते थे।जिसकी मिठास पूरे वातावरण में घुल जाया करती थी।लेकिन अब ऐसा नहीं है। सावन बीतने को है, लेकिन न कहीं झूला और न ही कहीं कजरी के बोल ही सुनाई पड़ रहे हैं। परंपराएं लुप्त होती जा रही हैं। पहले गांव की लड़कियां सावन का इंतजार करती थीं।सावन माह के आते ही बगीचों और घरों में झूले पड़ जाया करते थे। इस मौके पर ननंद भौजाई की ठिठोली के साथ हर उम्र के लोग सावन के रंग में रंग जाते थे। वही कजरी गीत की स्वर लहरिया महीने भर तक सुनाई पड़ती थी।कजरी गीत में पिया मेंहदी मंगा द मोती झील से, जाई के साइकिल से नाष जैसे कजरी गीत काफी प्रचलित रहे हैं। कजरी गीत को नई नवेली दुल्हन गांव की लड़कियां गाकर हास्य परिहास के साथ मनोरंजन किया करती थी। यही नहीं खेतों में धान की रोपाई करते समय गांव की महिलाएं कजरी गीत गाकर सावन की खुशी मनाती थीं और माहौल खुशनुमा रहता था। लेकिन अब झूला और कजरी बीते जमाने की बात हो गई है। ननंद भौजाई का रिश्ता मधुरता खो रहा है। ब्लॉक क्षेत्र के उमरनी पिपरी निवासी बुजुर्ग नींबू लाल कनौजिया एवं दोहरी निवासी 90 वर्षीय रामतेज वर्मा ने बताया कि पहले जैसी बात अब नहीं है। स्नेह प्रेम घर में ही नहीं आस पड़ोस में भी था। टोला भर की लड़कियां एक जगह इकट्ठा होकर कजरी गायन करती थीं। लेकिन आज प्रेम का अभाव साफ दिखता है। समय के अभाव के चलते कजरी गीत तो दूर कई घरेलू परंपराएं दूर होती जा रही हैं। असकरन निवासी सहायक प्रोफेसर विनोद शुक्ला एवं मलेथू कनक निवासी मोहन दुबे बताते हैं कि पहले संयुक्त परिवार रहता था। सब लोग एक जगह मिल बैठकर बातों बातों में ही हास परिहास शुरू कर देते थे। पर आज संयुक्त परिवार टूटता जा रहा है और एकांकी परिवार लोक परंपराओं को निभाने का समय ही नहीं दे पाता। झूला और कजरी के लिए अब गांवों में माहौल ही नहीं रहता है। प्राचीन भारतीय संस्कृति से जुड़ी पुरानी परंपराओं को सहेजने की जरूरत है। जो भारतीय सभ्यता संस्कृति और लोक परंपरा की प्राचीन धरोहर है।

भविष्य में आने वाले अहिंसा प्रेम युग के संचालन के लिए स्त्री शक्ति तैयार होनी चाहिए रमेश भइया संस्थापक विनोबा विचार प्रवाह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

अरसीकेरी, कर्नाटक। अंततः 'सातवां नंदिनी लोकमित्र शिविर' शुरू 'उदघाटन उत्सव'। इस शिविर का नाम 'महात्मा गांधी विनोबा भावे नंदिनी युवा शिविर' माना गया है।इस शिविर के आयोजन की प्रमुख सूत्रधार डा आबिदा बहन है जो बंगलौर के एक कालेज में वर्षों से प्रोफेसर है। शिविर में सौजन्यता पांच संस्थाओं की है । 'कर्नाटक गांधी स्मारक निधि, बंगलूरू स नेशनल सर्विस स्कीम यूथ इंपावरमेंट एंड स्पोर्ट्स कर्नाटक सरकार कस्तूरबा गांधी नेशनल मेमोरियल ट्रस्ट , गवर्मेंट फर्स्ट ग्रेड कालेज बंगलौर तथा विनोबा विचार प्रवाह परिवार'। शिविर में देश के ग्यारह राज्यों की प्रतिनिधि बहनें पहुंच गई है।जिसमें कर्नाटक ,केरल, तमिलनाडु, आसाम, ,महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश , अंडमान निकोबार तेलंगाना आदि प्रमुख हैं। इसके अलावा मैत्री आश्रम आसाम की चंपा बहन और वहीं की अपराजिता बहन, बिहार की ऊषा शर्मा, महाराष्ट्र की प्राची बहन और कविता बहन , दिल्ली से गौरव वर्मा आदि हैं। लगभग 32 कालेज और 11 संस्थाओं के कुल मिलाकर 162 लोग भाग ले रहे हैं। सर्व प्रथम कस्तूरबा गांधी स्मारक ट्रस्ट अर्सीकेरी के प्रमुख संरक्षक विधायक श्री के एम शिवालंगे गौड़ा ने दीप प्रज्वलित कर गांधी विनोबा को याद कर ट्रस्ट की ओर से सभी का स्वागत कर अध्यक्षीय संबोधन किया। आदरणीय श्री रामचंद्र राही जी ने उद्घाटन भाषण करते हुए गांधी के प्रति आज देश में जो निंदनीय वातावरण बनता जा रहा है।उसका उल्लेख कर चिंता व्यक्त की। आज की युवा पीढ़ी तक यह पीड़ा पहुंचनी चाहिए। कार्यक्रम की अतिथि 'चंपा दीदी, मैत्री आश्रम आसाम' 'ऊषा शर्मा सर्वोदय कार्यकर्ता सीतामढ़ी बिहार' तथा 'संजय राय राष्ट्रीय सचिव हरिजन सेवक संघ' ने जय जगत पुकारे जा,सिर अमन पे बारे जा, सबके सुख के वास्ते अपना सुख बिसारे जा सामूहिक रूप से गाकर जयजगत को विश्लेषित करते हुए हम सभी को आदरणीय भाई जी डा एस एन सुब्बाराव जी की याद दिलाई।इस स्थान पर भी भाई जी का युवा शिविर हो चुका है। शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि रमेश भइया ने इतने सुंदर शिविर आयोजन के लिए डा आबिदा बहन और उनकी टीम को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह शिविर मां कस्तूरबा के स्थान पर देश की कस्तूरबा की प्रतीक बहनों के लिए आयोजित हो रहा है। राष्ट्रीय युवा शिविर अरसीकेरी कर्नाटक का दूसरा दिन 'महात्मां गांधी विनोबा भावे नंदिनी राष्ट्रीय युवा शिविर की शुरुआत सबेरे पांच बजे प्रभात फेरी से' सबेरे सबसे पहले आसाम की चंपा बहन, नांदूरा की कविता बहन , धुलिया महाराष्ट्र की प्राची बहन, मैत्री आश्रम की अपराजिता बहन यवतमाल के राज भाई की आवाज में निकली प्रभात फेरी से हुई ।इस पंच मंडली के साथ 100 से ज्यादा बहनें कस्तूरबा गांधी स्मारक ट्रस्ट अर्सीकेरी के सुंदर , रमणीय परिसर में हर स्थान पर गए।ठीक छ बजे परिसर में ही निर्मित राजघाट अर्थात गांधी समाधि स्थल पर प्रार्थना हुई। यहां के कन्या छात्रावास में रहने वाली 100 बालिकाओं (जिसमें कक्षा एक से 12 तक) के द्वारा बहुत सुंदर स्वर में ईशावाष्योपनिषद से हुई। ठीक 6.30 पर योग आसन आदि और सभी ग्यारह टोलियों को जिसमें एक ऑडोटोरियम को साफ सुंदर करेगी।दो संपूर्ण परिसर को,चार टोली गांव को हैं जो हर घर में जाकर पूछेगी कि आप लोग कस्तूरबा जी आंका जो आश्रम आपके पास में ही है उसे कितना जानते हैं। एक टोली सभी का नाश्ता बनाएगी। एक सब्जी काटने और दोपहर के भोजन की तैयारी में लगी थी। आज सर्व धर्म समभाव टोली को सत्र समय से संचालन करना है।ठीक नौ बजा कि नाश्ते की घंटी सुनाई दी और सब भोजनालय की तरफ आ गए। गांव वाली टोलियों का नाश्ता रखवा दिया। कैप्टन आबिदा बहन को शिविरार्थी देखते ही लाइन में आ जाते।लेट होने पर प्रवेश से वंचित होना पड़ सकता है। मुझ जैसे पांच छः लोगों के लिए टेबल चेयर दे दी गई थी बाकी सभी को नीचे बैठकर ही लेना है। नाश्ते में चावल का कोई प्रकार और नारियल की चटनी आदि था खूब खाया। बर्तन खुद धोना है। सुंदर काफी सभी के हांथ थी। यहां हर घर में नारियल के तमाम पेड़ और घर में एक ऐसा स्थान जरूर जिसमें सौ दो सौ नारियल रक्खे होंगे। नाश्ता खत्म होते ही पीछे दस बजे सभी ओपन ऑडोटोरियम में सभी पहुंचे। जहां हमारी सीतामढ़ी बिहार की ऊषा शर्मा दीदी सभी को सत्य और अहिंसा पाठ को मंगल प्रभात पुस्तक से पाठन कर रही थी और उसका अर्थ भी बताई। ठीक साढ़े दस बजे टेक्निकल सेशन की शुरुआत हुई।मंच पर श्रीं रमेश भइया और उत्तराखंड के डा देवेंद्र बुदाकोटी डा आबिदा बहन और एन वाई पी की तरह मैसूर यूथ प्रोजेक्ट की चंपा बहन थी। सत्र का विषय था 'विनोबा जी और स्त्री शक्ति' ।संचालन था सर्वधर्म समभाव टीम के पास अतिथियों का परिचय देकर स्वागत कराया प्रेमा बहन ने और संचालन करते हुए करिश्मा बहन ने।रमेश भइया को अनेक शब्द विभूषणों से अलंकृत कर बोलने का निवेदन किया। भइया ने कहा कि समाज के लोगों को सर्वप्रथम क्रमशरू धन ,विद्या ,और शक्ति की आवश्यकता है यह तीनो देने वाली तीन देवियां लक्ष्मी सरस्वती और दुर्गा हैं। देवता के देने के लिए क्या छोड़ा है। हां यह जरूर है कि हम मिट्टी की मूर्ति या पीतल की लक्ष्मी मूर्ति से दिवाली में मांगते हैं जबकि भगवान की बनाई हुई साढ़े पांच फीट की सजी संवरी लक्ष्मी वहीं पर खड़ी हैं उसकी ओर आरती नहीं करते हैं ।इतना अगर हो जाए तो दूसरे देश से हर वर्ष ऋण न मांगना पड़े। दूसरी देवी सरस्वती है लेकिन स्कूलों में एडमिशन ज्यादा सरस्वता के हो रहे हैं इसलिए सरस्वती का श्राप भाई को मिलता है।तीसरी देवी दुर्गा मां के जितना ऊंचा मंदिर उतना बड़ा भक्त और सुंदर टीका लगाकर पूजा लेकिन नौ दिन बाद घर की दुर्गा को मारना, पीटना, जलाना, अपमानित करना, शुरू हो जाता है। जब तक समाज में इन तीनो देवियों का सम्मान नहीं होगा तब तक समाज धनवान, विद्यावान, और शक्तिवान नहीं बनने वाला है। स्त्री शक्ति को जाग्रत कर समाज को स्वर्ग बनाया जा।सकता है।

आज के दोपहर भोजन से पहले के द्वितीय सत्र में चंपा दीदी और ऊषा शर्मा दीदी ने चार ग्रुपों को तकली चरखा चलाकर सिखाया, तीन ग्रुप को नांदुरा गुरुदेव मंडल की कविता बहन ने आध्यात्मिक गीत सिखाए और तीन समूहों को आबिदा बहन की मित्र जयसपर बहन ने क्रांति गीत गाना सिखाया ।यह क्रम कल बदल जाएगा। उसके बाद भोजन जिसमें आज मीठे में सिवई सांवर चावल और रागी की बाटी बनाई गई थी। अभी शाम का सत्र जिसमें शिविरार्थी ही शिविरार्थियों के लिए सत्र का संचालन करने वाले हैं। विशेष रूप से प्रीति शर्मा इंदौर तनूजा बहन सेक्रेटरी टीचर्स ट्रेनिंग कालेज सुरेखा बहन बेलगाम रचना बहन सूरत और तेलंगाना की बहन सभी सत्रों को देख रही थी। कस्तूरबा गांधी स्मारक ट्रस्ट अरसीकेरी की प्रतिनिधि डा ऊषा अबराल ने सायंकाल सत्र को संबोधित करते हुए मां कस्तूरबा के जीवन के बारे में बताया कि कस्तूरबा कभी गांधी जी के पीछे अंधभक्ति के रूप में नहीं चली लेकिन उन्होंने सत्याग्रह आश्रम का संचालन कितना सुंदर किया।कस्तूरबा ट्रस्ट की शुरुआत वर्ष 1944 में गांधी जी ने स्वयं संविधान लिखकर शुरुआत की।।उसके लिए देश भर से एक करोड़ पच्चीस लाख रुपए संग्रह हुआ। हर प्रदेश में कस्तूरबा ट्रस्ट की शुरुआत हुई। कर्नाटक की शुरुआत यशोदा वासप्पा ने की थी। आज ऊषा बहन हमारे बीच अपने मेहमानों के साथ पहुंची थीं। आज महिला युवा शक्ति का गांधियन विचारों से जोड़ने का अभिक्रम पर श्री संजय राय को बोलना था।लेकिन उनकी आंखों को इन्फेक्शन हो गया था वह किसी और को ट्रांसफर न हो इसलिए कल शाम को ही फ्लाइट से उन्हें निकलना पड़ा। इसलिए उस चर्चा को डा देवेंद्र ने कुछ आगे बढ़ाया। आज का दिन परिसर में ही सत्र चलाने का रक्खा गया है।

सुपर स्टार रजनीकांत ने रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी, हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के समक्ष टेका माथा

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।राम नगरी अयोध्या पहुंचे फिल्म अभिनेता रजनीकांत ने सबसे पहले सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी में पहुंचकर बजरंगबली के समक्ष माथा टेका उसके बाद रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शन पूजन के बाद निर्माणाधीन राम मंदिर को भी देखा। रविवार की दोपहर करीब 3 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच में सिने स्टार रजनीकांत सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचे यहां पर वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास के नेतृत्व में बजरंगबली का दर्शन पूजन किया। इसके बाद सिने स्टार रजनीकांत रामलला के दरबार में पहुंचकर हाजरी लगाई। रामलला के दर्शन पूजन के उपरांत फिल्म अभिनेता रजनीकांत ने निर्माणाधीन भव्य राम मंदिर को भी बेहद करीब से देखा। हालांकि इस दौरान मीडिया से उन्होंने कोई बातचीत नहीं की। दर्शन पूजन के बाद गाड़ी में ही बैठकर उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अयोध्या आना सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी और भगवान श्री राम लला के दर्शन पूजन करना सौभाग्य की बातू है।

सिने स्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को रिलीज हुई थी उसी सिलसिले में रजनीकांत लखनऊ पहुंचे थे। जंहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भी मुलाकात की थी। लखनऊ से चलकर सिने स्टार रजनीकांत अयोध्या पहुंचे थे और दर्शन पूजन करने के तुरंत बाद लखनऊ के लिए रवाना हो गए।

मण्डलायुक्त व डीएम ने किया कौशल विकास प्रशिक्षण सिपेट कार्यक्रम का उदघाटन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।कौशल विकास प्रशिक्षण सिपेट कार्यक्रम का उद्घाटन राजकीय इंटर कालेज अयोध्या के कैम्पस में मण्डलायुक्त गौरव दयाल व जिलाधिकारी नितीश कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान अयोध्या केन्द्र की स्थापना सिपेट अयोध्या परियोजना मॉडल के तहत की गयी है। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई और केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान सिपेट के अधिकारी रतन कुमार ने सिपेट के बारे में लोगों को जानकारी दिया। इस कार्यक्रम में बच्चों को मण्डलायुक्त गौरव दयाल व जिला अधिकारी नीतीश कुमार ने किट देकर सम्मानित किया। अभी इस केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान सिपेट में 27 बच्चे शिक्षा लेने के लिए भाग लिए है। बताया गया कि और भी लोग सिपेट से जुड़े और शिक्षा लेकर रोजगार का लाभ ले। यह 6 महीने का कोर्स है वह भी बिल्कुल निशुल्क। मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी अधिकारी सहयोग करें। उद्घाटन कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोल रसायन अभीयंत्रिकी प्रौद्योगिकी संस्थान सिपेट के प्रबंधक रतन कुमार, आईटीआई के प्रधानाचार्य विनोद बाजपेई व अन्य विभागीय तथा इस कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

ऑल इंडिया ओपन शूटिंग चौंपियनशिप में अयोध्या मंडल को 19 मेंडल मिले

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।दो दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन गाजियाबाद जिले में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में (19 से 20) को समापन हुआ जिसमें अयोध्या मंडल को 19 मेडल मिले जिसमें मेडल पाने वाले खिलाड़ियों के सी ओ,बीकापुर डॉक्टर राजेश तिवारी,एड बेसिक अयोध्या राम सागर पति त्रिपाठी ,अजय सिंह (ब्लॉक पीटीआई) ,वंशिका चौधरी, शेर बहादुर यादव, देवेश कुमार ,अच्युत गुप्ता ,मोइन अहमद खान ,अभय प्रताप विजय राय ,डॉक्टर डी आर भुवन ने जीत हासिल कर मेडल प्राप्त किया इस टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे कोच शनि कुमार वर्मा ने बताया की अयोध्या की टीम अब एक बेहतरीन टीम बन चुकी है। टीम के मैनेजर शिवकरण सिंह ने सभी का शुभकामनाएं दी एवं भवदीय शूटिंग रेंज के प्रबंधक डॉक्टर अवधेश वर्मा ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी धन्यवाद।

मौसम का अनुमान लग रहा है धोखा, किसानों का सावन सूखा

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।सावन के महीने में भी खेतों में धूल उड़ रही है। भीषण गर्मी व उमस से लोगों का बुरा हाल है। मौसम विभाग का अनुमान लगातार फेल साबित हो रहा है, वहीं किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। खेतों को देखकर किसानों की आंखें नम हैं। धान व गन्ने की सिंचाई की चिंता उन्हें दिन–रात सता रही है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश न होने से धान व गन्ने की फसल को नुकसान हो सकता है लेकिन मोटे अनाज व सब्जियों की फसलों को फायदा होगा। अगस्त में बीस दिन बीत गए हैं लेकिन इस महीने अब तक केवल 86 मिमी. ही बरसात हुई है।

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के कृषि वैज्ञानिक डॉ. आलोक सिंह का कहना है कि अयोध्या सहित उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जनपदों में बारिश औसतन कम ही हो रही है। ऐसी स्थिति में धान और गन्ना जैसी फसलों को अधिक पानी की आवश्यकता होती है, उन्हीं फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जबकि अन्य फसलों के लिए अधिक वर्षा का कोई महत्व नहीं है, बीच–बीच में हो रही हल्की–फुल्की बारिश फसलों के लिए अनुकूल है। बरसात कम होने की वजह से मोटे अनाज सावा, कोदो, कुटकी, काकून, बाजरा, मूंग, उर्द, अरहर आदि फसलों के लिए मौसम अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सब्जियों के लिए जो पौधे लगाए जा रहे हैं या बीज बोए जा रहे हैं, उनके लिए भी यह मौसम अनुकूल माना जा रहा है।

'किसानों को सता रहा कर्ज में डूबने का डर'

रुदौली

आधा से ज्यादा सावन बीत गया, लेकिन इस बार रुदौली तहसील क्षेत्र में बारिश नहीं हुई है। मौसम की बेरुखी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्षेत्रीय किसान मायाराम, श्रीकांत पांडेय, राम मिलन, रमेश चंद्र, हरिकांत का कहना है कि अगर समय पर बारिश नहीं हुई तो किसान साहूकारों के कर्ज में डूब जाएंगे। धान की फसल बेचकर भी ये कर्ज उतारना संभव नहीं होगा। रुदौली तहसील क्षेत्र में लगभग 21 हजार हेक्टेयर भूमि कृषि योग्य है। जिसमें एक बड़े क्षेत्रफल में धान की खेती भी की जाती है। कृषि योग्य भूमि का लगभग 40 फीसद भू–भाग धान व 45 प्रतिशत भू–भाग पर गन्ने की खेती से आच्छादित रहता है। धान व गन्ने के लिए अधिक पानी की जरूरत होती है। जिन क्षेत्रों में नहरें नहीं हैं, वहां किसानों को निजी संसाधनों से सिंचाई करानी पड़ रही है। कृषि रक्षा इकाई मवई के प्रभारी उमाशंकर वर्मा ने बताया कि इस समय धान की फसल के लिए पानी बहुत जरूरी है। सावन में बारिश की बड़ी उम्मीद थी। लेकिन मौसम किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर रहा है।

'सूखे के हालात, धान की फसल बचाना मुश्किल'

बीकापुर

क्षेत्र में धान के खेत सूखे पड़े हैं, समय पर पानी न मिलने से खेतों में दरारें पड़ रही हैं। सावन महीने में बरसात न होने से किसानों में मायूसी व्याप्त है। नलकूपों के सहारे फसल की सिंचाई नाकाफी साबित हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र के फीडरों पर तय रोस्टर के अनुसार विद्युत भी किसानों को नहीं मिल पा रही है। उमरनी पिपरी निवासी किसान दयाराम वर्मा, कपिल देव पाठक, असकरन पुर निवासी विनोद शुक्ला, भीखी सराय निवासी पंडित रामदेव पांडे, कृष्ण प्रताप, महावा निवासी भगवत दयाल पांडे, बिलारी माफी निवासी वेद प्रकाश निषाद सहित कई किसानों ने बताया कि बरसात न होने से धान की फसल पीली पड़ रही हैं। खेत में दरारें आ रही है। धान के खेत में पानी न होने से खरपतवार भी अधिक मात्रा में उग रहे हैं तथा धान के पौधों में रोग भी लग रहे हैं। अगले कुछ और दिनों तक बरसात नहीं हुई तो समस्या और विकराल हो जाएगी। बरसात न होने से अब गन्ने की फसल की भी किसानों द्वारा सिंचाई की जा रही है। जुलाई तक औसतन बरसात 1001.7 के सापेक्ष महज 403.4 मिमी. बरसात हुई है। जुलाई में भी मात्र 64 फीसदी बरसात हुई। अगस्त में 19 तारीख तक महज 86 मिमी. बरसात ही हुई है जबकि इस माह में औसतन 261 मिमी. बरसात होती है। कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. अमरनाथ मिश्र का कहना है कि मानसून की सक्रियता कम हो गई है। अभी कोई नया सिस्टम बनता भी नहीं दिख रहा है। आगामी एक सप्ताह तक बारिश की कोई उम्मीद नहीं है। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 35 व न्यूनतम 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

10 फीट ऊंचाई तक बन गए अयोध्या राम लला मंदिर के प्रथम तल के स्तंभ

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राममंदिर का अब तक 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। गर्भगृह यानि की भूतल का काम अंतिम चरण में है। गर्भगृह की दीवारों पर भव्य नक्काशी की जा रही है। मंदिर के छत पर भी नक्काशी का काम पूरा हो चुका है। फर्श का काम भी तेजी से चल रहा है। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि दिसंबर तक राममंदिर का भूतल पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा। मंदिर का उद्घाटन जनवरी 2024 में कर दिया जाएगा। मंदिर भक्तों के लिए खुल जाएगा, लेकिन इस बीच प्रथम व दूसरे तल सहित अन्य योजनाओं पर काम चलता रहेगा।

यात्री सुविधा केंद्र का भूतल तैयार

मंदिर निर्माण के साथ ही ट्रस्ट यात्री सुविधाएं विकसित करने में जुटा हुआ है। इसी क्रम में परिसर में ही 25 हजार भक्तों के लिए तीर्थयात्री सुविधा केंद्र का निर्माण किया जा रहा है। दो मंजिला सुविधा केंद्र के भूतल का काम पूरा हो चुका है, उसकी छत ढाली जा चुकी है, जबकि प्रथम तल का काम तेजी से चल रहा है। सुविधा केंद्र भी मंदिर के उद्घाटन से पहले बनकर तैयार हो जाएगा। सुविधा केंद्र में भक्तों के रहने, विश्राम करने, सामान रखने आदि की व्यवस्था रहेगी।

अयोध्या राम नगरी में सावन के सातवें सोमवार व नाग पंचमी के संयोग पर उमड़ें भक्त

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। इस बार तीन साल बाद शुभयोग के साथ सोमवार को नागपंचमी पड़ रही है। सावन के सातवें सोमवार पर दुर्लभ संयोग बन रहा है। सोमवार को सावन का सातवां सोमवार होने के साथ ही नागपंचमी का भी पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में सोमवार को भोलेनाथ के साथ ही नागदेवता की भी कृपा भक्तों को प्राप्त होगी।

सावन माह की पंचमी को नागपंचमी के रूप में मनाया जाता है। 21 अगस्त को नाग पंचमी की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 5रू40 बजे से सुबह 08रू16 बजे तक है। ऐसी मान्यता है कि नाग पंचमी पर नाग देवता की पूजा करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिल जाती है। शुभ संयोग पर सोमवार को हजारों भक्त अयोध्या में जलाभिषेक–पूजन को उमड़ेंगें। बड़ी संख्या में कांवड़ियां भक्तों का भी आगमन लगातार जारी है। प्रशासन द्वारा सावन के सोमवार व नागपंचमी को देखते हुए अयोध्या धाम में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। सुरक्षा की कमान मजिस्ट्रेटों के हवाले कर दी गई है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।